भारतीय वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त

चर्चा में क्यों?

7 मार्च 2025 को भारतीय वायु सेना (IAF) **का जगुआर लड़ाकू विमान** उड़ान के दौरान सिस्टिम में खराबी आने के कारण हरियाणा के अंबाला में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

मुख्य बिंदु

- **जगुआर के बारे में:**
  - जगुआर एक **बहुमुखी विमान है, जिसका उपयोग ज़मीनी हमले, हवाई रक्षा और टोही मिशनों (Reconnaissance missions) के लिये किया जाता है।**
    - यह **पाँचवीं पीढ़ी (5G) का** लड़ाकू विमान **है, जो अत्यधिक संघर्ष वाले युद्ध क्षेत्रों में परिचालन करने में सक्षम है तथा इसमें** वर्तमान और संभावित दोनों **प्रकार के सबसे उन्नत हवाई और ज़मीनी खतरों की उपस्थिति** को रेखांकित किया गया है।
    - 5G लड़ाकू विमानों में **स्टेल्थ क्षमता होती है** और वे आफ्टर बर्नर का उपयोग किये बिना सुपरसोनिक गति **से उड़ान भर सकते हैं।**
    - यह अपनी बहु-स्पेक्ट्रल **निम्न-अवलोकनीय डिज़ाइन, आत्म-सुरक्षा, रडार जैमिंग क्षमताओं और एकीकृत एवियोनिक्स** के कारण **चौथी पीढ़ी (4G) के समकक्षों से अलग है।**
    - **मिग-21, मिग-29, जगुआर और मिराज 2000** के स्क्वाड्रनों को अगले दशक के मध्य तक चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया जाएगा।

मिग -21

- **1950 के दशक में** तत्कालीन सोवियत संघ द्वारा डिज़ाइन किया गया **सुपरसोनिक जेट लड़ाकू** और इंटरसेप्टर विमान।
- इतिहास में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला लड़ाकू विमान, जिसकी 11,000 से अधिक इकाइयाँ निर्मित हैं तथा 60 से अधिक देश इसका संचालन करते हैं।
- **भारतीय वायुसेना ने अपना पहला मिग-21 विमान वर्ष 1963 में शामिल किया था** और तब से अब तक इस विमान के **874 संस्करण शामिल किये जा चुके हैं।**
- **यह भारत से जुड़े कई युद्धों और संघर्षों में शामिल रहा, जिसके कारण इसे "उड़ता ताबूत" का** उपनाम मिला।

मिग 29

- यह एक ट्विन-इंजन, मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे **1970 के दशक में सोवियत रूस द्वारा विकसित किया गया था।** तब से इसे अपग्रेड किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/iaf-aircraft-crash